प्रतिवेदन

वानिकी विभाग, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं ईशा फाउंडेशन, कोयंबटूर के सयुक्त तत्वाधान में पृथ्वी एवं मिटटी को बचाने एवं लोगो को जनजागरूक करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल के निर्देशन में (Save Soil Movement) कार्यक्रम का आयोजन किया गया I कार्यक्रम में ईशा फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के वानिकी, जीव विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान, बायोटेक्नोलॉजी विभाग के करीब 150 छात्र-छात्राओं को मिट्टी बचाओ आंदोलन (Save Soil Movement के लिए जागरूक किया।

इस सत्र में स्वयंसेवकों ने बताया, कि जिस तेजी से मिटटी का क्षरण हो रहा है, मिटटी विलुप्त भी हो सकती है, जिसके परिणाम वश हमारे किसानो की अनाज उगाने की क्षमता आने वाले 20 वर्षों में 40 प्रतिशत तक कम हो जाएगी, और भोजन की कमी से दुनिया की पूरी आबादी प्रभावित होगी। उन्होंने बताया की कैसे हम हम ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को जागरूक कर सकते हैं तथा इस आंदोलन का हिस्सा बन कर अपनी मिटटी, जो हमें भोजन,कपड़ा और जीने के लिए ज़रूरी सारी वस्तुएं प्रदान करती है , को बचाने के लिए हम क्या कर सकते हैं। लोगो को इस समस्या से अवगत कराने के लिए अध्यात्ममिक गुरु सद्‌गुरु जग्गी वासुदेव लंदन से तमिल नाडु, लगभग तीस हज़ार किलोमीटर का सफर मोटरसाइकिल से तय कर रहे हैं। लोग 8000030003 पर मिस्ड कॉल देकर इस आंदोलन का हिस्सा बन सकते हैं।

कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ के के चंद्रा के साथ ही वानिकी, वनस्पति, जिव विज्ञानं एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शिक्षकगण मौजूद थे।

SAVE SOIL
EACH ONE REACH ONE
मिट्टी बचाओ